छतरपुर जिले के केन्द्रीय विद्यालय संगठन के कक्षा 10वीं के विद्यार्थीयों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य संबंध एक अध्ययन

डॉ प्रीति गुप्ता

विभागाध्यक्ष, बी. एड.

राजीव गाधी कालेज, भोपाल

pdgupta76@gmail.com

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य छतरपुर जिले के केन्द्रीय विद्यालय संगठन के कक्षा 10वीं के विद्यार्थीयों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य संबंध की प्रवृत्ति को समझाना है। विद्यार्थी विद्यालय में पाठ्यक्रम एवं विद्यालयीन गतिविधियों, सहपाठियों के साथ किस प्रकार समायोजित होते हैं जिससे कि उनकी शैक्षिक उपलब्धि बड़ती है अथवा कम होती है। अनेक बालक विद्यालय में समायोजित नहीं हो पाते इससे उन विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर क्या प्रभाव पड़ता है। यह जानने का प्रयास इस शोध प्रबंध में किया गया है।

मुख्य बिन्दु *शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन ।*

प्रस्तावना

समायोजन व्यक्ति के द्वारा किये जाने वाली वह सचेतन क्रिया है जिसमें वह अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति एवं परिस्थितियों के मध्य संतुलन स्थापित करता है। तभी वह अपना कार्य, व्यवहार उचित ढंग से करने में समर्थ होते है। हमारा जीवन चुनौतियों एवं संघर्षो से परिपूर्ण है बालकपन में हमें जीवन की विविध समस्याओं का सामना करना पड़ता है जो जिस सीमा तक जितने अच्छे ढंग से जीवन संग्राम की लड़ाई को लड़ता जाता है वह उतने ही अच्छे रूप में सफलता प्राप्त करता है। मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के अतिरिक्त जीवन में हम बहुत कुछ चाहते है और यही चाह हमें पल–पल संघर्ष करने के लिए प्रेरित करती

है परंतु बहुत बार ऐसा भी होता है कि जो हम चाहते है जिसके लिए हम दिनरात परिश्रम करते है उस उद्देश्य की प्राप्ति नहीं हो पाती। उदाहरण के लिए एक बालक इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश पाने के लिए तरह–तरह की परीक्षा देता है परंतु अथक परिश्रम के बाद भी उसे सफलता नहीं मिलती है। इस हालत में वह अपने लक्ष्य को ही परिवर्तित कर देता है तथा बी.एस.सी. में प्रवेश लेकर आगे एम.एस.सी. तथा प्राध्यापक बनने की बात को पूरा करने के लिए जुट जाता है। एक क्षेत्र में असफलता के बाद दूसरे क्षेत्र का चुनाव करना, अपने लक्ष्य की ऊंचाई को अपनी योग्यता और परिस्थितियों के अनुसार घटा देना, इस प्रकार के संशोधित एवं परिवर्तित व्यवहार को ही समायोजन की संज्ञा दी जाती है।

शोध के उद्देश्य

शोधार्थी को यह जानने की जिज्ञासा है कि केन्द्रीय विद्यालयों संगठनों में बालकों के समायोजन से उनकी शैक्षिक उपलब्धि किस प्रकार प्रभावित करती है। विद्यार्थी विद्यालय में पाठ्यक्रम एवं विद्यालयीन गतिविधियों, सहपाठियों के साथ किस प्रकार समायोजित होते हैं जिससे कि उनकी शैक्षिक उपलब्धि बड़ती है अथवा कम होती है। अनेक बालक विद्यालय में समायोजित नहीं हो पाते इससे उन विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर क्या प्रभाव पड़ता है। यह जानने का प्रयास इस शोध प्रबंध में किया गया है।

- केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करना।
- केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करना।
- केन्द्रीय विद्यालय के छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करना।
- केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों का समायोजन ज्ञात करना।
- केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों का समायोजन ज्ञात करना।
- केन्द्रीय विद्यालय के छात्राओं का समायोजन ज्ञात करना।

शोध की परिकल्पना

- केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।
- केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

- केन्द्रीय विद्यालय के छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।

शोध की सीमाएँ

- प्रस्तुत शोध मध्यप्रदेश के *छतरपुर* जिले के क्षेत्र में ही निहित है।
- प्रस्तुत शोध में केवल केन्द्रीय विद्यालयों का चयन किया गया है।
- प्रस्तुत शोध में केवल शहरी विद्यालयों का चयन किया गया है।
- प्रस्तुत शोध कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों पर किया गया है।
- प्रस्तुत शोध में विद्यार्थियों की आयु 16 से 18 वर्ष तक के बीच की है।
- प्रस्तुत शोध में केवल अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों का चयन किया गया है।
- प्रस्तुत शोध में कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजनको लिया गया है।

शोध में प्रयुक्त उपकरण

विद्यार्थियों के समायोजन को ज्ञात करने के लिये शोधार्थी ने ए.के. सिंह एवं ए.से. गुप्ता द्वारा निर्मित हाई स्कूल एडजस्टमेन्ट इन्वेन्टरी को विद्यार्थियों के समायोजन हेतु चुना। इस टेस्ट में विद्यार्थियों के 5 तरह के समायोजन का पता चलता है।

शोध की परिकल्पनायें, परिणाम एवं विश्लेषण

परिकल्पना क्रमांक–1

केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

परिकल्पना क्रमांक 1 में सांख्यिकी तकनीक के अन्तर्गत सहसंबंध गुणांक का प्रयोग किया गया है जिसकी परीक्षण से चरों मध्य संबंधों का पता लगाया जा सके।

तालिका क्रमांक–1.1 शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सहसंबंध

वर्ग	df	r	सार्थकता
शैक्षिक उपलब्धि	122	.306	सार्थक संबंध है
समायोजन			

0.01 स्तर पर सार्थक संबंध है।

उपरोक्त परिणाम के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों का समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसंबंध है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में वृद्धि होगी।

परिकल्पना क्रमांक–2

केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

परिकल्पना क्रमांक–2 में सांख्यिकी तकनीक के अन्तर्गत सहसंबंध गुणांक का प्रयोग किया गया है जिसकी परीक्षण से चरों के मध्य संबंधों का पता लगाया जा सके।

तालिका क्रमांक–2 छात्रों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध

वर्ग	df	r	सार्थकता
शैक्षिक उपलब्धि समायोजन	65	.292	सार्थक संबंध है

0.05 स्तर पर सार्थक संबंध है।

उपरोक्त परिणाम के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों का समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसंबंध है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में वृद्धि होगी।

परिकल्पना क्रमांक–3

केन्द्रीय विद्यालय के छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।

परिकल्पना क्रमांक 3 में सांख्यिकी तकनीक के अन्तर्गत सहसंबंध गुणांक का प्रयोग किया गया है जिसकी परीक्षण से चरों के मध्य संबंधों का पता लगाया जा सके।

तालिका क्रमांक–3 छात्राओं के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध

वर्ग	df	r	सार्थकता
शैक्षिक उपलब्धि समायोजन	54	.321	सार्थक संबंध है

0.01 स्तर पर सार्थक संबंध है।

उपरोक्त परिणाम के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि केन्द्रीय विद्यालय की छात्राओं के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसंबंध है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में वृद्धि होगी।

शोध निष्कर्ष

- केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों का समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में वृद्धि होगी।
- केन्द्रीय विद्यालय के के छात्रों का समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में वृद्धि होगी।
- केन्द्रीय विद्यालय की छात्राओं के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में वृद्धि होगी।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

अस्थाना एवं अग्रवाल, 1990, मनोविज्ञान और शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, आगरा : विनोद पुस्तक मंदिर, पृष्ठ 433–449।

अवस्थी दिलीप,1989, आ स्टडी ऑफ टीचिंग इफैक्टीव नैस ऑफ आर्मी टीचर एण्ड पर्सनलिटी फैक्टर, लघु शोध कार्य, एम,एड, भोपाल।

अग्रवाल जे.सी. एण्ड गुप्ता एस. (2009): शिक्षण अधिगम प्रक्रिया तथा विशिष्ट आवश्यकताओं वाले अधिगमकर्ता, शिप्रा पब्लिकेशन, दिल्ली।